[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1484 **D** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 210606

Name of the Course : **B.A. (Hons.) PHILOSOPHY**

Name of the Paper : CONTEMPORARY PHILOSOPHY – II

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **four** questions in all.
3. Question no. **5** is compulsory.
4. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. प्रश्न संख्या **पाँच** अनिवार्य है।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. "A word is restricted by certain conditions as far as its meaning is concerned." Discuss. (20)

P.T.O.

"अर्थ के संदर्भ में शब्द सुनिश्चित शर्तों द्वारा प्रतिबंधित होता है।" विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

How is Carnap's principal of verification effective in showing the meaninglessness of metaphysics ?

कारनैप के सत्यापन सिद्धान्त द्वारा तत्वमीमांसा की अर्थहीनता कैसे सिद्ध होती है ?

2. "Origin of a work of art in a sense is a systematic and coherent process." Explain with reference to Heidegger. (20)

"कलाकृति का उद्भव एक प्रकार से तन्त्रबद्ध तथा सुचारू प्रक्रिया है।" हाइडेगर के संबंध में व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Examine whether a work of art presents a struggle between 'world' and 'earth'.

परीक्षण कीजिए कि क्या कलाकृति 'जगत्' तथा 'पृथ्वी' के मध्य संघर्ष को प्रस्तुत करती है।

3. Discuss R. C. Gandhi's concept of 'mystical'. Is it open to philosophical reflections ? (20)

राम चन्द्र गांधी के 'रहस्यमय' की अवधारणा का विवेचन कीजिए। क्या यह दार्शनिक चिंतन का विषय है ?

OR / अथवा

Addressing involves ethical presuppositions. In this context, explain the Gandhian concept of soul.

सम्बोधन नैतिक मान्यताएँ निहित करता है। इस संदर्भ में गांधी की आत्मा की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

4. How is edifying philosophy distinct from systematic philosophy? What role does Hermeneutics play in drawing this distinction? Explain. (20)

तन्त्रमूलक दर्शन किस प्रकार शिक्षाप्रद दर्शन से भिन्न है ? इस अंतर को स्पष्ट करने में हर्मेन्यूटिक्स का क्या योगदान है ? व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Edifying philosophy is a reactionary philosophy. Discuss.

शिक्षाप्रद दर्शन एक प्रतिक्रियावादी दर्शन है। विवेचना करें।

5. Write short notes on any **two** of the following : (15)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लघु टिप्पणी लिखें :

(a) Difference between meaninglessness and pointlessness according to Carnap

कारनैप के अनुसार अर्थहीनता तथा निरर्थकता का भेद

(b) Meaninglessness of the question 'What is it likes to be a human being ?'

'मनुष्य के समान होना क्या है ?' प्रश्न की अर्थहीनता।

(c) Features of traditional Philosophy according to Rorty.

रॉरटी के अनुसार परंपरागत दर्शन की विशेषताएँ ।

(d) Subjectivism in art, according to Heidegger.

हाइडेगर के अनुसार कलाकृति में व्यक्ति सापेक्षता